ब्यूरोक्रेट्स परिवार के बेटे का मिशन खेल साक्षरता

कनिष्क पांडे ने खेल संस्कृति के लिए शुरू की सेमिनारों की सीरीज, सरकार को देंगे सिफारिशें

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। जिस परिवार में पिता, चाचा और अन्य सदस्य आईएएस हों उस परिवार के एक बेटे ने देश में खेल साक्षरता पैदा करने को अपना मिशन बनाया है। कनिष्क पांडे ने न सिर्फ शिक्षा के अधिकार की तरह खेल के अधिकार को लागू करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका डाल रखी है बल्कि खुद शोध कर देश में खेल संस्कृति लाने के लिए अभियान छेड़ दिया है।

शिक्षा के अधिकार की तरह खेल के अधिकार को लागू करने को डाल रखी है याचिका

कनिष्क ने शुरुआत शनिवार सेमिनार आयोजित कर की। अब वह देश भर में सेमिनार कर उनमें निकले निष्कर्ष के आधार पर खेल संस्कृति पर सिफारिशें खेल मंत्रालय को देंगे।

खेल संस्कृति को विकसित करने के लिए आयोजित सेमिनार में कनिष्क पांडे।

'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' नाम से शोध और किताब लिखने वाले कनिष्क खुलासा करते हैं कि खेल संस्कृति देश में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है, लेकिन इसके लिए मां-बाप से लेकर स्कूल, सरकार सभी को जागरूक होने की जरूरत है। कनिष्क के अनुसार खेल के अधिकार पर सुप्रीम कोर्ट पर डाली याचिका पर न सिर्फ सुनवाई शुरू हो गई है बल्कि अदालत ने गोपाल शंकर नारायणन को एमाइकस क्यूरी नियुक्त कर दिया है। उनकी ओर से राजस्थान सरकार को की गई सिफारिश के आधार पर बांसवाड़ा यूनिवर्सिटी में स्पोर्ट्स फिलॉस्फी विषय शुरू हो गया है। कनिष्क की कोशिश खेलों को एक नियमित विषय बनाने की है। उनकी याचिका में खेलों को समवर्ती सूची में लाने की बात भी उठाई गई है।

आतंक की जड़ें खेल संस्कृति करेगी खत्म

मास्को ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य जफर इकबाल कनिष्क की खेल संस्कृति की पैरवी करते हुए कहा कि खेल ही ऐसी चीज है जो देश के अशांत इलाकों में शांति लाने का काम कर सकता है। उन्होंने खेल मंत्रालय की दिल्ली के स्टेडियम लोगों के लिए खोलने की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह काम राज्य सरकारें भी कर दें तो खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। कनिष्क का कहना है कि देश में खेल साक्षरता का प्रतिशत 5.5 है। महिलाओं में यह प्रतिशत 2.6 ही है। खेलों पर बहुत काम की जरूरत है।

UNI
BREVITY ACCURACY SPEED

United News of India
India's Multi Lingual News Agency

Sunday, Oct 20 2019 | Time 14:39 Hrs(IST)

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

Sports

Posted at: Oct 19 2019 9:24PM

First sports seminar aims to popularise sports culture in India

New Delhi, Oct 19 (UNI) With an aim to evolve sports culture in the country and encourage participation of youngsters, especially school students in sports-related activities, while seriously considering a career in sports, the first national sports seminar was organised here on Saturday.

Eminent academidicians and sports personalities expressed their views on the sports culture and it's challenges in India during the event, organised jointly by the NGO, Sports-A way of life and the Institute of Management Technology (IMT), Ghaziabad.

During the seminar, Kanishka Pandey, president of Sports-A way of life presented his first research paper, in which he recommended the 'carrot and stick policy' for parents to develop sports aptitude in their children, before they go to kindergarten class.

Please log in to get detailed story.

'ओलंपिक नहीं सौ साल जीने के लिए खेलें'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 19 अक्तूबर।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष वेद प्रकाश ने विद्यार्थियों और युवाओ में खेलों के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए सामाजिक पहल की अपील की है। खेल को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की कवायद करते हुए उन्होंने भारत में खेल को जीवन का हिस्सा बनाने को जरूरी बताया और इसके लिए सरकार से ज्यादा समाज को आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा– आजादी के बाद से जितने भी शिक्षा आयोग बने सबने खेलों को आगे बढ़ाने की सिफारिश की। लेकिन दुर्भाग्य से इसके उद्देश्य में ज्यादा सफलता नहीं मिली। वे शनिवार को 'भारत में खेल संस्कृति की संभावनाएं व चुनौतियां' विषय पर आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे।

पूर्व खिलाड़ियों ने कहा कि खेल को खिलाड़ी बनने या ओलंपिक जीतने के लिए नहीं खेलें बल्कि 100 साल जीने के लिए खेलें। दावा किया कि समाज में खेल संस्कृति बनाने की जरूरत है। हर कोई कम से कम से कम एक घंटा खेल के मैदान में बिताए तो वो कई फायदे पा सकता है।

स्मृति बढ़ाने, बेहतर समझ बनाने, अनुशासन, अच्छे नंबर लाने को एकाग्रता बढ़ाने, निर्णय लेने और ध्यान की क्षमता बढ़ाने के लिए खेल एक घटक का काम करता है।

सुप्रीम कोर्ट में खेल के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने की मांग को लेकर याचिका दायर करने वाले और लेखक कनिष्क पांडेय ने कहा कि नर्सरी स्तर से बच्चों को खेल से जोड़ने की पहल जरुरी है। 'क' से कबूतर के साथ बच्चों को 'क' से कबड्डी और 'ख' से खोखो भी बताया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि खेल संस्कृति विकसित करने के लिए सामाजिक सोच में बदलाव लाने की जरूरत है।

देश में खेलों की स्थिति पर विशेषज्ञों ने की चर्चा

इंडिया हैबिटेट सेंटर में अपने विचार रखते यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष वेद प्रकाश • जागरण

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: इंडिया हैबिटेट सेंटर में आईएमटी गाजियाबाद और स्पोर्ट्स: अ वे ऑफ लाइफ की ओर से इनक्लूसिव स्पोर्ट्स कल्चर इन इंडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारत में खेल के प्रति लोगों की जागरूकता और खेलों की जमीनी स्थिति के बारे में चर्चा की गई। इसमें यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. वेदप्रकाश, गोविंद गुरु ट्राइबल यूनिवर्सिटी के वीसी कैलाश सोडानी, भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान जफर इकबाल, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर शूटिंग के चेयरमैन प्रो. पांडा पी शर्मा, इंडियन हॉकी के पूर्व ओलंपिक महेंद्र पाल सिंह व एथलीट गोपाल सैनी ने खेलों के प्रति अपने विचार रखे।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई, जिसके बाद स्पोर्ट्स: अ वे ऑफ लाइफ के अध्यक्ष कनिष्क पांडेय ने खेलों की स्थिति पर किया गया अपना शोध पत्र पेश किया। उन्होंने बताया कि बड़ी जनसंख्या होने के बाद भी हमारे पास वैश्विक स्तर पर मिलने वाले मेडलों की संख्या कम है। एक सर्वे के अनुसार, भारत में 2.5 प्रतिशत लोग ही खेलों में हिस्सा लेते हैं। बच्चों को खेलों के बारे में बचपन से ही बताया जाना चाहिए।

ए फॉर एप्पल के साथ एथलीट और बी फॉर बाल के साथ बास्केटबॉल भी पढ़ाना चाहिए। प्रो. वेदप्रकाश ने कहा कि खेलों में भाग लेने से बच्चों का मानसिक व शारीरिक दोनों विकास होता है। हम लोगों को खेलों में भाग लेने के लिए सेल्फ मोटिवेशन की आवश्यकता है। कनिष्क पांडेय ने कहा कि आज स्पोर्ट्स साइंस स्टडी बहुत जरूरी है। स्पोर्ट्स अकादमी को भी शिक्षा संस्थान के समान मानने की जरूरत है। जफर इकबाल ने कहा कि स्कूल, कॉलेजों में स्पोर्ट्स को जरूरी कर दिया गया है। कई विश्वविद्यालयों में स्पोर्ट्स के लिए अच्छी सुविधा उपलब्ध है।

स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल हों खेल

सेमिनार

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में शिक्षाविद् और ओलंपिक खिलाड़ियों ने खेल का महत्व बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्कूल और कॉलेजों के पाठ्यक्रम में खेल अनिवार्य तौर पर शामिल किया जाना चाहिए।

खेल शोधकर्ता कनिष्क पांडेय ने शोधपत्र पेश किया। यूजीसी के पूर्व चेयरमैन वेद प्रकाश ने बताया कि उनकी समिति की सिफारिशों पर राजस्थान के कई कॉलेजों में खेल फिलोस्फी को एक अनिवार्य विषय के रूप में स्वीकार किया गया है। कार्यक्रम में ओलंपिक और एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले कई खिलाड़ी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि खेल सिर्फ मेडल के लिए नहीं, बल्कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए भी जरूरी है। पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार विजेता ओलंपिक खिलाड़ी श्रीराम ने बताया कि उनके दौर में सुविधाएं कमी थीं, लेकिन फिर भी वे कड़ी मेहनत करते थे। एमआईटी गाजियाबाद और संस्था 'स्पोर्ट्स ए वे ऑफ लाइफ' की ओर से सेमिनार रखा गया था। कार्यक्रम में जफर इकबाल, मोहिंदर पाल सिंह, चंदाराम जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने भी शिरकत की।

पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान जफर इकबाल शनिवार को इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए। ● सोनू मेहता

First-ever national sports seminar hopes to enrich sporting culture in India

By **The Bridge Desk** Published:October 21, 2019

Facebook Twitter WhatsApp Email Linkedin

Last Modified On: October 21, 2019

Image source: Facebook / IMT Ghaziabad

New Delhi was host to the first national sports seminar on Saturday, October 19, in a bid to evolve the sports culture in the country. Besides, the seminar attempted to focus on encouraging the participation of kids in schools to take up sports-related activities with the potential of considering them as a career.

The seminar saw the participation of several renowned academicians and sports personalities who expressed their opinions on the culture of sports in the country and the challenges faced by athletes. The event was organised collectively by the NGO, Sports-A way of life and the Institute of Management Technology (IMT), Ghaziabad.

millenniumpost
NO HALF TRUTHS

IMT organises National Seminar on Evolving Sports Culture in India

MPost 19 Oct 2019 10:53 PM

New Delhi: With an aim to evolve sports culture in the country and encourage participation of youngsters, especially school students in sports-related activities, while seriously considering a career in sports, the first national sports seminar was organised here on Saturday.

Eminent academicians and sports personalities expressed their views on the sports culture and it's challenges in India during the event, organised jointly by the NGO, Sports-A way of life and the Institute of Management Technology (IMT), Ghaziabad.

Also Read - Dravid ultimate team man, game's most committed student: Laxman

SPORTS MARKET

First-ever national sports seminar hopes to enrich sporting culture in India

New Delhi was host to the first national sports seminar on Saturday, October 19, in a bid to evolve the sports culture in the country. Besides, the seminar attempted to focus on encouraging the participation of kids in schools to take up sports-related activities with the potential of considering them as a career.

The seminar saw the participation of several renowned academicians and sports personalities who expressed their opinions on the culture of sports in the country and the challenges faced by athletes. The event was organised collectively by the NGO, Sports-A way of life and the Institute of Management Technology (IMT), Ghaziabad.

HTDS CONTENT SERVICES

Your keywords | IMAGE

ies

s

ent & Fashion

Religion

First National Seminar On Evolving Sports Culture In India

Image ID: HTSI157150647838513

Capture Date: 19 October 2019

Author: Hindustan Times

Tags: News

Copyright: © 2019 Hindustan Times

Buy Now

Description

NEW DELHI, INDIA- OCTOBER 19: Head Sports research Centre Kanishka Pandey addresses the first National Seminar on evolving sports culture in India at India Habitat Centre, on October 19, 2019 in New Delhi, India. (Photo by Sonu Mehta/Hindustan Times)

Khelo India: Parents must inculcate an interest in sports in children, say researchers

Academicians and sports researchers said that parents need to boost their children's interest in sports to develop the "Khelo India" spirit.

ADVERTISEMENT

Press Trust of India
Ghaziabad
October 21, 2019 UPDATED: October 21, 2019 14:16 IST

Academicians and sports researchers said that parents need to boost their children's interest in sports to develop the "Khelo India" spirit.

Parents must inculcate an interest in sports in children and schools must ask about their effort during admission interviews to develop the "Khelo India" spirit in kids, academicians and sports researchers said.

Business Standard SPECIAL ON CORONAVIRUS

GET ALL NEWS AND UPDATES

MITSUBISHI ELECTRIC Changes for the Better

PARTNERING INDIA'S DREAM TO BE NO. 1

KNOW MORE

Khelo India: Parents must inculcate an interest in sports in children, say researchers

Topics
Education

Press Trust of India | Ghaziabad
Last Updated at October 20, 2019 19:45 IST

Global Consulting Firms are hiring. Register on Flexing It

APPLY NOW

ALSO READ

IIT Roorkee gets non-engineering students for MBA prog after 20 yrs

Parents must inculcate an interest in sports in children and schools must ask about their effort during admission interviews to develop the "Khelo India" spirit in kids, academicians and sports researchers said.

Exciting New Remote Projects

Flexing It™

Global Consulting Firms are hiring. Register on Flexing It

APPLY NOW

LATEST NEWS

IN THIS SECTION ALL

SC issues notice to Tata Sons on cross-appeal by Mistry against NCLAT order

BS

Bayer CropScience posts Q4 net profit of Rs 31.5 cr

THE HINDU

4-1, 4-1. some critical errors on cru- (Del).

Sports — a way of life

ANANT KAUR
NEW DELHI

The importance of sports among children and how it should be inculcated in their lives was discussed in the first national seminar on "Evolving Sports Culture in India: Challenges and Prospect" in the presence of renowned academicians and Olympians. Organised by NGO Sports : A Way of life in collaboration with The Institute of Management and Technology (IMT), the seminar focused on the role of parents in making the children understand the importance of sports as part of the learning culture.

Former India hockey captain Zafar Iqbal said, "We have to have a sporting culture even if takes time to take shape. An awareness has been created in today's India about sports being a movement to live a healthy life but we need to be patient. The government has many schemes and I am happy at the way we have made progress at the international level. We are getting medals in badminton, boxing, wrestling, rowing and shooting and it shows the improvement we have made."

In his first research paper, NGO president Kanishka Pandey proposed a 'Carrot and Stick' policy for parents to encourage their children to take interest in sports before they start school. Pandey pointed out there were no schools in the country where sports was a pre-requisite for admissions at Kindergarten level.

Zafar added, "Let us not compare India with China and United States who have a far bigger budget to promote sports. As I understand, sports is a huge unifying factor for our society and parents have come to understand that. But we also have to offer sense of security for the youngsters who want to make a career out of sports. All this can be done only if we implement all the plans to spot and groom talent at the school level." The seminar was also addressed by former athletes Sriram Singh and Gopal Saini.